Paper - V

MT

Seat No. | | | | | | | |

2017 1100

MT - HINDI (COMPOSITE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - SEMI PRELIM - II - PAPER - V

Time : 2 Hours **(Pages 5)** **Max. Marks : 40**

सूचनाएँ :- (1) सूचना के अनुसार गद्य और पद्य की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए।

(3) रचना विभाग तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 : गद्य **12 अंक**

प्र.1. (क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(6)**

1) उत्तर लिखिए। **2**

i) मुंशी जी के दुखी होने का कारण

(1) ..... (2) .....

ii) मुंशी जी का गली-मुहल्ले में निकलना मुहाल हो जाने का कारण -

(1) ..... (2) .....

माँ के मरने पर लड़की मुहावरे से गलत रोई और मुंशी जी ने उसकी खूब धुलाई की । यह बात शाम तक पूरे मुहल्ले में जंगल की आग की तरह फैल गई । जो भी सुनता दाँतों तले उँगली दबाता और मुंशी जी को जली - कटी सुनाता कि भाड़ में जाएँ मुंशी जी और आग लगे उनके मुहावरों को । फूल - सी नाजुक लड़की को बिना बात धुनकर रख दिया । यह भी कोई बात हुई । नतीजा यह हुआ कि अगले कुछ दिनों मुंशी जी का गली - मुहल्ले में निकलना मुहाल हो गया । बेचारे कई दिन तक घर से बाहर नहीं निकले । एक तो बीवी के मरने का गम, दूसरे दोनों बच्चों की माँ की याद में रोई - रोई सूरतें, जिन्हें देखकर बेचारे मुंशी जी का कलेजा मुँह को आ जाता, आँखें भर - भर आतीं । खैर, एक हफ्ते बाद किसी तरह मदरसे पहुँचे और थके - थके कदमों से भारी मन लिए क्लास में दाखिल हुए ।

2) i) **निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द परिच्छेद से ढूँढ़कर लिखिए।** **1**

(1) सही × (2) सुबह ×

ii) **निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए ।** **1**

(1) उँगलियों (2) आँख

3) आपने कभी कोई ऐसी गलती की हो जिससे बेहद शर्मिंदा होना पड़ा है इस विषय पर अपने विचार लिखिए । 2

प्र.1. (ख) सूचना के अनुसार निम्नलिखित कृतियाँ परिच्छेद के आधार पर पूर्ण कीजिए । (6)

1) उचित जोड़ लगाइए। **2**

'अ' विभाग	'ब' विभाग
i) कुष्ठरोगियों के लिए	(a) सचल दवाखाना
ii) अनाथ नवजात शिशुओं के लिए	(b) निर्मल हृदय
iii) फुटपाथों पर रहनेवालों के लिए	(c) निर्मल शिशुभवन
iv) ग्राम्यांचलों के लिए	(d) कुष्ठ निवारण केंद्र

मदर टेरेसा द्वारा स्थापित कोलकाता के 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' के मुख्यालय का नाम उनके नाम पर ही 'मदर हाउस' रखा गया । इस संस्थान ने विश्व भर के दीन - दुखियों और बेसहारों के लिए अनाथालयों, आश्रमों और औषधालयों की स्थापना की । भारत के साथ - साथ रोम और वेनेजुएला में भी इस संस्था के कई तरह के सेवाकार्य चलाए हैं, जैसे -कुष्ठ रोगियों के लिए 'कुष्ठ निवारण केंद्र', अनाथ नवजात शिशुओं के लिए 'निर्मल शिशुभवन', फुटपाथों पर रहने वालों के लिए 'निर्मल हृदय', गरीब वर्ग के लोगों - जो खाली नारियल के रेशों से रस्सियाँ और पावदान बनाने वाले दस्तकार हैं - के लिए 'प्रेमदान' तथा ग्राम्यांचलों में 'सचल दवाखाना' इत्यादि प्रमुख हैं ।

मदर टेरेसा के 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' में 2,500 से अधिक प्रशिक्षित महिलाएँ, 250 से अधिक पुरुष और 100 से अधिक सहायक काम करते हैं । अकेले भारत में मदर के विभिन्न स्कूलों में 15 हजार शिशु-छात्र अध्ययन करते हैं । उनके 213 चिकित्सा केंद्रों में 10 लाख से अधिक रोगी स्वास्थ्य-लाभ कर रहे हैं । उनके 54 कुष्ठ आश्रमों में 47 हजार कुष्ठ रोगी हैं ।

2) i) **पर्यायी शब्द लिखकर आकृति पूर्ण कीजिए।** **1**

(1) औषधालय → ☐

(2) दस्तकार → ☐

ii) **अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए।** **1**

(1) जिस बच्चे के माता-पिता न हों ।

(2) पैर पोंछने के लिए तारों, कपड़ो या रेशों से बना एक कपड़ा ।

3) 'परोपकार का महत्व' पर अपने 6 से 8 वाक्यों में लिखिए। **2**

विभाग 2 - पद्य **10 अंक**

प्र.2. (च) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **(5)**

1) उत्तर लिखिए। **1**

i) समझाने पर भी मूर्ख मन यह नहीं मानता -

ii) इस पद्यांश का विषय है-

iii) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

झूठी देखी प्रीत

जगत में झूठी देखी प्रीत ।
अपने ही सुखसों सब लागे, क्या दारा क्या मीत ।।
मेरो मेरो सभी कहत हैं, हित सों बाध्यौ चीत ।
अंतकाल संगी नहिं कोऊ, यह अचरज की रीत ।।
मन मूरख अजहूँ नहिं समुझत, सिख दें हारयों नीत ।
नानक भवजल पार परै जो गावै प्रभु के गीत ।।

2) पर्यायी शब्द लिखकर आकृति पूर्ण कीजिए । **1**

i) हित → ____

ii) संगी → ____

3) 'सच्चा प्रेम' इस विषय पर 6 से 8 पंक्तियों में अपने विचार लिखिए। **2**

प्र.2. (छ) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । (5)

1) उत्तर लिखिए।

i) आज विश्व में विज्ञान की वजह से हुए निर्माण - **1**

(1) ..... (2) .....

ii) विज्ञान के ज्ञान से हुई हानि - **1**

(1) ..... (2) .....

चरमोन्नत जग में जब कि आज विज्ञानज्ञान,
बहु भौतिक साधन, यंत्रयान, वैभव महान,
सेव हैं विद्युत बाष्पशक्ति : धनबल नितांत,
फिर क्यों जग में उत्पीड़न ? जीवन यों अशांत ?

2) सही शब्द तैयार कीजिए। 1

i) | न | ज्ञा | वि | न | ज्ञा | = ☐

ii) | ल | ब | न | ध | = ☐

3) विज्ञान से होनेवाले लाभ पर अपने विचार विचार 6 से 8 वाक्यों में लिखिए। 2

विभाग 3 - व्याकरण **6 अंक**

प्र.3. पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

1) मानकवर्तनी के अनुसार शब्द चुनिए । 1

i) खिड़की / खीड़की / खिडकी / खिड़कि -

ii) आशीर्वाद / आर्शिवाद / आशिर्वाद / आर्शीवाद -

2) निम्नलिखित अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए । 1

ओर

3) i) काल पहचानिए । 1

मैं अगली बार मुहावरे पढ़ाऊँगा ।

(ii) काल परिवर्तन कीजिए । 1

राजनीतिक दलों ने मैदानों व नदियों को कठघरों में खड़ा कर दिया । (अपूर्ण वर्तमानकाल)

4) i) **अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए ।** **1**
(अभिभूत हो उठना, गुम - सुम बैठना, मजा किरकिरा कर देना)
अचानक आए हुए मेहमानों ने महाबलेश्वर जाने के **आनंद में बाधा डाली** ।

ii) **निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **1**
चिराग गुल होना -

विभाग - 4 - रचना **12 अंक**

प्र.4. 1) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए । **4**
सुधाकर / सुमन पांडे, सुंदर भवन, शनिवार पेठ, पूना – 422020 ने व्यवस्थापक, सूरज पुस्तक भंडार, शास्त्री रोड, आगरा 322001 के नाम पत्र लिखकर नीचे लिखी गई पुस्तकें वी.पी.पी. से भेजने की माँग करता / करती है ।

2) सरल हिंदी में अनुवाद कीजिए । **4**
1. Don't cast a slur on great family
2. You should make the best of a bad bargain.
3. India is progressing by leaps and bounds.
4. A rotten sheep infects the whole flock.

3) निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर उसपर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर एक - एक वाक्य में हो । **4**
विज्ञान के युद्धविषयक अस्त्र - शस्त्रों के आविष्कारों ने देश की सभ्यता और संस्कृति को खतरे में डाल दिया है । परमाणु बम और हाइड्रोजन बम भी विज्ञान की ही देन है । मनुष्य का विनाश करने वाली विषैली गैस भी विज्ञान द्वारा ही खोजी गई है । विज्ञान के ये अविष्कार, जो मनुष्य जाति, सभ्यता, एवं संस्कृति के विनाश का कारण बनते हैं,देश के लिए अभिशाप हैं । वास्तव में विज्ञान की सिद्धियाँ अद्भुत हैं, अभिशाप और वरदान हमारे प्रयोग के कारण से बनती हैं । यदि हम इनका प्रयोग अपने देश के लाभ,मनुष्यमात्र के कल्याण के लिए करें तो ये वरदान सिद्ध हो सकती हैं । चाकू या छुरी फल या सब्जी काटने के लिए बनाया गया है, लेकिन प्रयोग करने वाला यदि इसका प्रयोग किसी का गला काटने के लिए या मारने के लिए करे, तो इसमें छुरी - चाकू बनाने वाले का क्या दोष है ? अतएव हमें इन सभी वस्तुओं का अपने लाभ के लिए और मानव जाति के कल्याण के लिए प्रयोग करना चाहिए, जिसके लिए वास्तव में इनका अविष्कार किया गया है ।

Best Of Luck